मुख्य परीक्षा

प्रश्न- हाल ही में वॉक फ्री फाउंडेशन नामक संगठन द्वारा 'वैश्विक दासता सूचकांक' जारी किया गया। वैश्विक दासता सूचकांक से आप क्या समझते हैं? आधुनिक दासता के सन्दर्भ में भारत की स्थिति को स्पष्ट करते हुए इसके उन्मूलन हेतु प्रयासों की चर्चा कीजिए।

(250 शब्द)

Recently 'Global Slavery Index' has been released by an organization named Walk Free Foundation. What do you understand by Global Slavery Index? Elucidating the state of India in context of modern slavery, discuss the efforts for its eradification.

(250 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर:- वैश्विक दासता सूचकांक के अन्तर्गत विश्व के विभिन्न देशों में आधुनिक दासता (Modern Slavery) के प्रसार का मापन किया जाता है। साथ-ही इससे निपटने के लिए विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया जाता है। इस वर्ष विश्व के 167 देशों को आधुनिक दासता के बंधन में जकड़े लोगों के आधार पर रैंक प्रदान की गई, जिसमें उत्तर कोरिया शीर्ष स्थान पर है, जबकि जापान निम्नतम स्थान पर स्थित है।

वैश्विक दासता सूचकांक, 2018 में 167 देशों की सूची में भारत 53वें स्थान पर है, जबकि लोगों की कुल संख्या के सन्दर्भ में भारत शीर्ष स्थान पर है। वर्ष 2018 के सूचकांक के अनुसार, वर्ष 2016 में भारत में लगभग 80 लाख लोग आधुनिक दासता का जीवन जी रहे थे, जो कि विश्व में सर्वाधिक है।

भारत में आधुनिक दासता के उन्मूलन हेतु प्रयास:-

- भारतीय दंड संहिता के तहत् भारत द्वारा आधुनिक दासता के विभिन्न रूपों जैसे-मानव तस्करी, दासता, बलात् श्रम तथा बच्चों के यौन शोषण को अपराध घोषित किया है।
- व्यक्तियों के दुर्व्यापार (निवारण, संरक्षण और पुनर्वास) विधेयक को 18 जुलाई, 2018 में लोकसभा में प्रस्तुत किया गया, जिसे उसी माह की 26 तारीख को पारित कर दिया गया।
- भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा तस्करी की शिकार महिलाओं के पुनर्वास के लिए उज्ज्वला योजना, घरेलू हिंसा से पीड़ित, बेघर तथा संकटग्रस्त महिलाओं की सहायता सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु 'स्वाधार योजना' आदि चलाए जा रहे हैं।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।